कुल पृष्ठ संख्या 32 (कवर पेज सहित)

क्रम संख्या 2849574

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

उच्च माध्यमिक परीक्षा

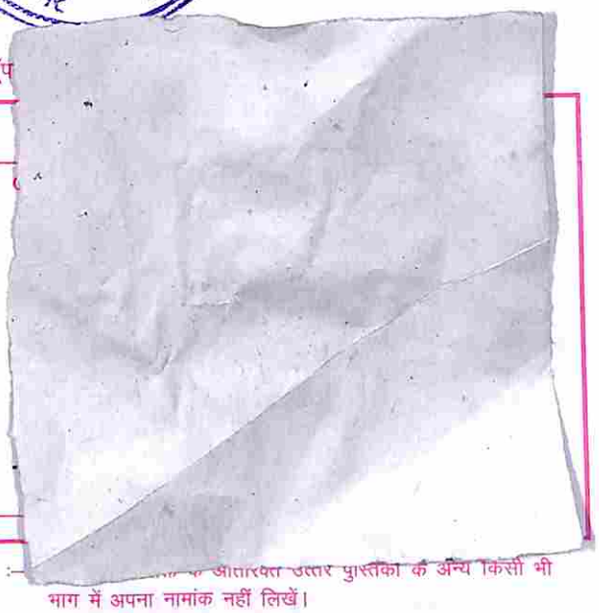

(प

नोट :– ... के अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका के अन्य किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम – हिन्दी [✓] अंग्रेजी [ ]

विषय इतिहास

परीक्षा का दिन सोमवार

दिनांक 11-04-2022

नोट :– परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

परीक्षक हेतु निर्देश :– (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य हैं, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।

(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत्त करें।

(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदारणार्थ : 15 ¼ को 16, 17 ½ को 18, 19 ¾ को 20)

प्रश्नवार प्राप्तांकों की सारणी
(परीक्षक के उपयोग हेतु)

प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1	12	19	3
2	6	20	3
3	12	21	4
4	2	22	3¾
5	2	23	4
6	2	24	
7	2	25	
8	2	26	
9	2	27	
10	2	28	
11	2	29	
12	2	30	
13	2	31	
14	2	योग	79½
15	2	प्राप्त अंकों का कुल योग (Round off)	
16	2	अंकों में	शब्दों में
17	3	80	अस्सी
18	2¾		

परीक्षक के हस्ताक्षर .... संकेतांक 0 0 4 0 3

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तिका के निर्माण में 58 जी.एस.एम. ईको मैपलिथो कागज ही उपयोग में लिया गया है।168/2021

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिक पृथक से उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशंषा पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न–पत्र पर निर्धारित स्थान पर अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न–पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी
   (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचि साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
   (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर–पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पू होने चाहिये। परीक्षार्थी उत्तरपुस्तिका प्राप्त करते ही पृष्ठ संख्या की जांच कर लें यदि पृष्ठ कम/अधिक र क्रम में नहीं हैं तो वीक्षक से तुरन्त बदलवा लें।
   (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, केलक्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रोनि उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध हैं।
   (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ न लिखकर लावें। टेबुल के आस–पास कोई अवैध सामग्री नहीं हो चाहिये, इसकी जांच कर लें।
   (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्ष समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक क 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ का उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें, तथा तिरछी रेखा से काटें।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न–पत्र हिन्दी–अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित है। किसी भी प्रकार क त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
		(खण्ड - अ)
	(1.)	
ⅠⅠⅠⅠ		(i) (अ) चन्द्रगुप्त
ⅠⅠⅠⅠ		
ⅠⅠⅠⅠ		(ii) (स) दशपुर।
ⅠⅠⅠⅠ		
= 12		(iii) (द) वाकाटक।
		(iv) (अ) अल- बिरुनी।
		(v) (द) पाटलीपुत्र।
		(vi) (द) बनावली।

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
		(vii) (स) मुहर।
		(viii) (द) बहादुर शाह।
		(ix) (ब) 1793।
		(x) (ब) अबुल फजल।
		(xi) (ब) 1565।
		(xii) (स) ख्वाजा मुइनुद्दीन।

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(2) रिक्त स्थान पूर्ति –

1+1+1+1+1+1 = 6

(i) द्वितीय ।

(ii) गोलमेज ।

(iii) नवाब सिराजुद्दौला ।

(iv) सन् 1872 ।

(v) अमेरिका ।

(vi) उपास ।

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	(3)	

(i) सन् 1942 में।

(ii) क्योंकि इन दिनों नमक उत्पादन पर सरकार का एकाधिकार था तथा यह भारतीयों को सुलभ रोजगार से वंचित करता था।

(iii) 'गेटवे ऑफ इंडिया' का निर्माण राजा जॉर्ज पंचम तथा उनकी रानी मेरी के स्वागत के लिए करवाया गया।

(iv) सन् 1856।

(v) 'अंडाल' एक अलवार (विष्णु) स्त्री भक्त थी। इन्होंने अपनी भक्ति भावना व्यक्त करती थी।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(vi) चौदह बार ।

(vii) दिल्ली को ।

(viii) दारा शिकोह ।

(ix) मनुस्मृति का संकलन लगभग दूसरी शताब्दी ई॰पूर्व से दूसरी शताब्दि ई॰ के बीच किया गया ।

(x) मनुस्मृति के अनुसार स्त्रियाँ पैतृक संपत्ति मे अपने हिस्से का दावा नही कर सकती थी ।

(xi) गोत्र से बाहर विवाह करने को बहिर्विवाह पद्धति कहते है।

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(xii) सन् 1924 में।

(खण्ड - ब)

(4) अंग्रेजो द्वारा भारत में सार्वजनिक भवनो में 'नवशास्त्रीय शैली' का उपयोग इसलिए किया था क्योंकि यह शैली प्राचीन रोम की भवन निर्माण शैली से निकली थी। इसके अलावा अंग्रेजो को लगता था कि यूरोपीय देश की दिखने वाली इमारते उनकी श्रेष्ठता, अधिकार व सत्ता की प्रतीक होगी।

(5) (i) 1857 के विद्रोह में विद्रोहियो द्वारा जारी घोषणाओ में जाति व धर्म के भेद की अवहेलना किए बिना सभी वर्गो का आह्वान किया गया।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(ii) 1857 के विद्रोह को एक ऐसे विद्रोह के रूप मे प्रस्तुत किया जा रहा था जिसमे हिन्दु व मुस्लमानो का नफा-नुकसान बराबर था।

(6) (i) सैनिको को एनफील्ड राइफले चलाने हेतु दी गई, जिनकी कारतूसो की चिकनाई के बारे मे कहा गया कि इसमे गाय व सूअर की चर्बी मिलायी गयी है

1+1

2

(ii) अंग्रेज अफसर सैनिको की भावनाओ की जरा भी कद्र नही करते थे। गाली-गलोज, शारीरिक हिंसा सामान्य बात थी।

(7) **रैयतवाडी बंदोबस्त व्यवस्था :-**

1820 मे बम्बई- दक्कन मे एक नयी राजस्व प्रणाली लागू की गई जिसे रैयतवाडी बंदोबस्त व्यवस्था कहा गया। इसमे राजस्व की राशि की राशि सीधे रैयत (किसान) के साथ तय की जाती जबकि इस्तमरारी बंदोबस्त व्यवस्था मे राजस्व की राशि जमीदारो के साथ तय की गई थी। इस्तमरारी बंदोबस्त व्यवस्था (बंगाल) मे लागू की गई।

2

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	(8)	संथाल विद्रोह कारण -
2		(i) संथालो ने यह देख लिया कि उन्होंने जिस भूमि पर खेती करना शुरू किया वह उनके हाथो से निकलती जा रही है।
		(ii) संथालो की भूमि पर सरकार ने भारी कर लगा दिया गया था।
		(iii) जमींदार दामिन क्षेत्र पर अपने नियंत्रण का दावा कर रहे थे।
2	(9)	विजयनगर साम्राज्य के प्रधानमंत्री रामराय ने बिजापुर के एक सुल्तान को दूसरे सुल्तान के विरुद्ध युद्ध के लिए भड़काने का प्रयास किया किंतु यह सुल्तान एक हो गये। सन 1565 मे विजयनगर को तालिकोटा के युद्ध मे अहमदनगर, गोलकुंडा तथा बिजापुर के संयुक्त सेनाओ से करारी हार का सामना करना पड़ा। इस प्रकार यह नीति जोखिम भरी थी।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(10) विजयनगर साम्राज्य में दुर्गों में प्रवेश हेतु किलेबंद प्रवेश द्वार बने हुए थे। इन किलेबंद प्रवेशद्वार पर बनी मेहराब तथा गुंबद तुर्कों द्वारा प्रवर्तित स्थापत्य कला के तत्व माने जाते हैं। कला इतिहासकारों ने इसे इंडो-इस्लामिक या इंडो सारसेनिक स्थापत्य कला नाम दिया था। ये तुर्की सुल्तानों द्वारा प्रवर्तित स्थापत्य से प्रभावित थे।

1+1 = 2

(11) (i) सूफी संत संयम और सादगी का जीवन व्यतीत करते थे तथा सत्ता से दूर रहने का उपाय करते थे। किंतु यदि शासक बिना दान या भेंट देता तो सूफी उसे स्वीकार कर लेते। उनका संग्रह न करके उन्हें भोजन, कपड़े, आवास व अनुष्ठानों पर पूर्व खर्च कर देते (ii) सूफी संत अपनी धर्मनिष्ठा, शान्तिप्रियता तथा चमत्कारपूर्ण शक्तियों के कारण लोकप्रिय थे।

1+1 = 2

(12) इब्न बतूता भारतीय डाक प्रणाली को देखकर चकित हो गया। क्योंकि डाक प्रणाली की कार्यकुशलता से व्यापारियों के लिए केवल उधार भेजना व सूचना भेजना

1+1 = 2

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

ही संभव नहीं हुआ अपितु अत्यसुस्ता पर माल भेजना भी संभव हो गया उसने दो प्रकार की डाक प्रणाली का वर्णन किया-(1) अश्व डाक व्यवस्था (उलूक) (2) पैदल डाक व्यवस्था (दावा)

(13) इब्न बतूता मध्य एशिया के रास्ते 1333 में स्थल मार्ग से सिंध पहुंचा। उस समय दिल्ली का सुल्तान मुहम्मद बिन तुगलक था। सुल्तान उसकी विद्वता से बड़ा प्रभावित हुआ तथा उसे दिल्ली का काजी या न्यायधीश नियुक्त कर दिया। वह इस पद पर वर्षों तक रहा। 1342 में उसे सुल्तान के दूत के रूप में चीन जाने का आदेश दिया गया।

(14) (i) विवाह के बाद स्त्रियों को पिता के स्थान पर पति के गोत्र का माना जायेगा।

(ii) एक ही गोत्र के सदस्य आपस में विवाह संबंध नहीं रख सकते थे।

1+1 =2

1+1 =2

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(15) (i) इस काल मे कुछ आर्थिक संकट उत्पन्न हो गया होगा।

2

(ii) रोमन साम्राज्य के पतन पश्चात् दूरवर्ती व्यापार मे कमी आई इससे उन राज्यों, सम्प्रदायों व क्षेत्रों की सम्पन्नता पर प्रभाव पड़ा जिन्हे दूरवर्ती व्यापार से लाभ होता था।

(iii) इस काल मे नए नगरों व व्यापार के नये तंत्रों का उदय हुआ। सिक्के प्रचलन मे थे तथा किसी ने उनका संग्रह नहीं किया।

BSER-168/2021

(16) (i) बाट सामान्यतः चर्ट नामक पत्थर से बनाये जाते थे।

1+1

2

(ii) बाटों के निचले मापदण्ड द्विआधारी (1, 2, 4, 8 — 12,800 तक) होते थे जबकि ऊपरी मापदण्ड दशमलव प्रणाली का अनुसरण करते थे।

—(खण्ड - स)—

(17) अभिलेखों से जानकारियाँ प्राप्त करने की सीमाएं →

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(i) कभी - कभी अक्षरो को हल्के ढंग से उत्कीर्ण कर दिया जाता है जिससे उन्हे पढ़ पाना मुश्किल हो जाते है।

3

(ii) अभिलेख नष्ट भी हो जाते है जिससे अक्षर लुप्त हो जाते है।

(iii) अभिलेख सदैव ही उन्ही व्यक्तियो के विचारो को अभिव्यक्त करते है जो उन्हे बनवाते थे। इससे सामान्य लोगो के बारे में जानकारियो नही मिलती है।

(iv) अभिलेखो से दैनिक जीवन पद्धतियो की जानकारियाँ नही मिलती है।

(18) सिंधु घाटी सभ्यता के गृह स्थापत्य की विशेषताएँ :

सिंधु घाटी सभ्यता मे मोहनजोदड़ो के निचला शहर में आवासीय भवन मिले है।

2 3/4

(i) * स्नानाघर :
प्रत्येक घर का अपना ईंटो के फर्श से बना हुआ स्नानघर होता था।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

इसकी नालिया दिवार के माध्यम से गली से नालियो से जुडी होती थी।

(2) सीढियाँ ⇒
कुछ घरो मे दूसरी मंजिल तक या छतो पर जाने हेतु सीढियाँ बनी हुयी थी। अधिकाश घरो मे इसका शाक्ष्य मिला है।

(3) कुएँ ⇒
कुछ घरो मे कुंए भी बने हुए थे। कुंए प्रायः ऐसे कक्षो मे बनाए गए थे जिसमे बाहर से भी आया जा सकता था। मोहनजोदडो मे 700 कुंए मिले है। इनका उपयोग राहगिरो द्वारा किया जाता था।
⇒ यह विशेषताएं आज भी प्रासंगिक है।

(19) * अथवा *

3

विजयनगर साम्राज्य में कृषि क्षेत्रो को किलेबंद भू-भाग मे रखने के कारणः—

(i) किलेबंद भू-भाग मे कृषि क्षेत्र को रखने का

4

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

मुख्य उद्देश्य प्रतिपक्ष को खाद्य सामग्री से वंचित कर समर्पण के लिए बाध्य करना था।

(ii) किलेबंद क्षेत्र में शत्रु सेना खाद्य सामग्री को प्राप्त नहीं पहुंचा सकती थी।

(iii) शत्रु सेना की घेराबंदी महिनों या कभी-2 वर्षों तक चलती थी। इस विकट परिस्थिति से निपटने हेतु विजयनगर के शासकों ने किलेबंद भू-भाग के भीतर विशाल अन्नागार बनवाये।

(iv) किलेबंद कृषि क्षेत्र जंगली जानवरों से भी सुरक्षित था।

(20) -*अथवा*-

3

औपनिवेशिक सरकार निम्न कारकों से शहरों के मानचित्र बनवाना उपयोगी समझा।

(i) औपनिवेशिक सरकार का मानना था कि शहरों की प्रकृति व भू-दृश्य को

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

समझने हेतु मानचित्र अति आवश्यक है। इससे वह इलाके पर अधिक नियंत्रण स्थापित कर सकते थे।

(ii) मानचित्र से किसी क्षेत्र की हरियाली, नदियों व पहाड़ियों आदि का पता लगता था। यह समस्त जानकारियाँ रक्षा संबंधी योजनाओं के लिए आवश्यक थी।

(iii) मकानों की सघनता व सड़कों की स्थिति से इलाके की व्यवसायिक संभावनाओं का पता चलता था।

(iv) मानचित्र रक्षा संबंधी योजनाएँ बनाते समय महत्वपूर्ण जानकारियों के स्रोत होते थे।

⇒ अतः इन सभी कारणों से औपनिवेशिक शासन/सरकार के लिए शहरों का मानचित्र तैयार करना उपयोगी था।

(खण्ड - द)

(21) * कर्नाटक की वीरशैव परम्परा *

4

बारहवीं शताब्दि में कर्नाटक में बासवन्ना नामक

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

एक ब्राह्मण के नेतृत्व में एक आंदोलन चला। बासवन्ना प्रारम्भ में शैव मत शैव मत के समर्थक तथा चालुक्य-राजा के दरबार में मंत्री थे।

बासवन्ना के अनुयायी वीरशैव। शिव के वीर। व लिंगायत कहलाए। (लिंग धारण करने वाले)

***वीरशैव परम्परा के धार्मिक सिद्धांत:**

(i) लिंगायतों ने जातिप्रथा तथा कुछ समुदायों के दूषित होने के ब्राह्मणीय अवधारणा की आलोचना की।

(ii) यह श्राद्ध संस्कार का पालन नहीं करते थे तथा विधिपूर्वक अपने मृतकों को दफनाते थे।

(iii) लिंगायतों के अनुसार मृत्यु पश्चात भक्त शिव में लीन हो जाएंगे तथा पुनः धरती पर लौटकर नहीं आएंगे।

(iv) लिंगायतों ने पुनर्जन्म के सिद्धान्त पर प्रश्न चिह्न लगाया।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(v) इन्होने विधवा पुनर्विवाह तथा सती प्रथा का पर रोक पर बल दिया। इससे जिन समुदायों को चार-वर्णों वाली ब्राह्मणीय व्यवस्था मे स्थान नही मिला पर वे लिंगायतो के अनुयायी हो गये।

(vi) लिंगायत समुदाय के पुरुष वाम स्कंध पर चाँदी के पिटारे मे एक लघु लिंग धारण करते थे। शिव का प्रतीक होने के कारण इन्हे पवित्र समझा जाता था तथा इसकी पूजा की जाति थी।

(vii) लिंगायतो ने यज्ञो व अनुष्ठानो की निपधिकता पर भी आक्षेप किया। तथा ईश्वर की उपासना पर बल दिया।

(viii) लिंगायतो ने निम्न वर्गो को भी अपने समुदाय मे स्थान प्रदान किया।

(22) *अथवा*

34

* राष्ट्रीय आन्दोलन मे नमक-सत्याग्रह का योगदान :-

(नमक सत्याग्रह के कारण*)

(i) अंग्रेजो नमक के उत्पादन तथा बेचने पर

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

सरकार का एकाधिकार था।

(ii) नमक का सभी के घरो मे प्रमुखता से उपयोग होता था किंतु उन्हे दुकानो से ऊँची दामो पर नमक खरीदना पड़ता था।

(iii) नमक पर सरकार का एकाधिकार बहुत ही अलोकप्रिय था। यह भारतीयो को सुलभ ग्रामोद्योग से वंचित करता था।

* दांडी-यात्रा:-
गाँधीजी नमक कानून को सबसे घृणित कानून मानते थे।
=> अतः इस सभी बातो को ध्यान मे रखते हुए गाँधीजी ने 12 मार्च 1930 को साबरमति आश्रम से अपने 78 सदस्यो के साथ 'दांडी नामक स्थान के लिए कूच किया। उन्होने पैदल चलकर 24 दिनो मे अपना यात्रा पूरी की। 6 अप्रैल, 1930 को गाँधीजी ने नमक बनाकर नमक-कानून तोडा और 'नमक सत्याग्रह शुरु हो गया।

* नमक-सत्याग्रह का महत्व:-

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

(i) नमक-सत्याग्रह में लाखों देशवासियों ने भाग लिया तथा देशभर में नमक-कानून का उल्लंघन होने लगा।

(ii) इस आन्दोलन की सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि इसमें महिलाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। उन्होंने विदेशी वस्त्रों तथा शराब की दुकानों पर धरना दिया और अपने आप को गिरफ्तारी के लिए पेश किया। उदा. 'कमलादेवी चट्टोपाध्याय'

(iii) नमक-सत्याग्रह के साथ ही 'सविनय अवज्ञा आंदोलन' प्रारंभ हो गया जिसने देशभर में यह आंदोलन तीव्रता से फैलाया गया।

(iv) नमक-सत्याग्रह ने गांधीजी को दुनिया भर में प्रसिद्ध कर दिया।

(v) इससे अंग्रेजों को यह अहसास हो गया कि अब उनका राज अधिक नहीं टिकेगा तथा उन्हें भारतीयों को भी सत्ता में हिस्सा देना पड़ेगा।

(vi) 'नमक-सत्याग्रह' ने भारतीयों में राष्ट्रीयता की भावना जागृत करने में अहम भूमिका अदा की तथा देशभर में अंग्रेजी शासन

P.T.O.

BSER-166/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

की नींव हिल गयी।

इस प्रकार नमक-सत्याग्रह ने देश में राष्ट्रीय-आंदोलन हेतु उपजाऊ भूमि तय की तथा देशवासियों में स्वाधीनता का जोश भर दिया।

BSEJK-168/2021

(23) *रेखा- मानचित्र में देखें ⇒!

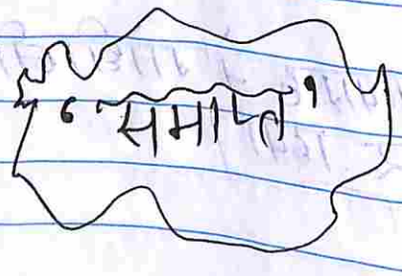

नामांक Roll No.

2	9	1	4	6	6	2

SS-13-Hist.

इतिहास (HISTORY)

उच्च माध्यमिक परीक्षा, 2022

उ० 23

Outline Map of INDIA

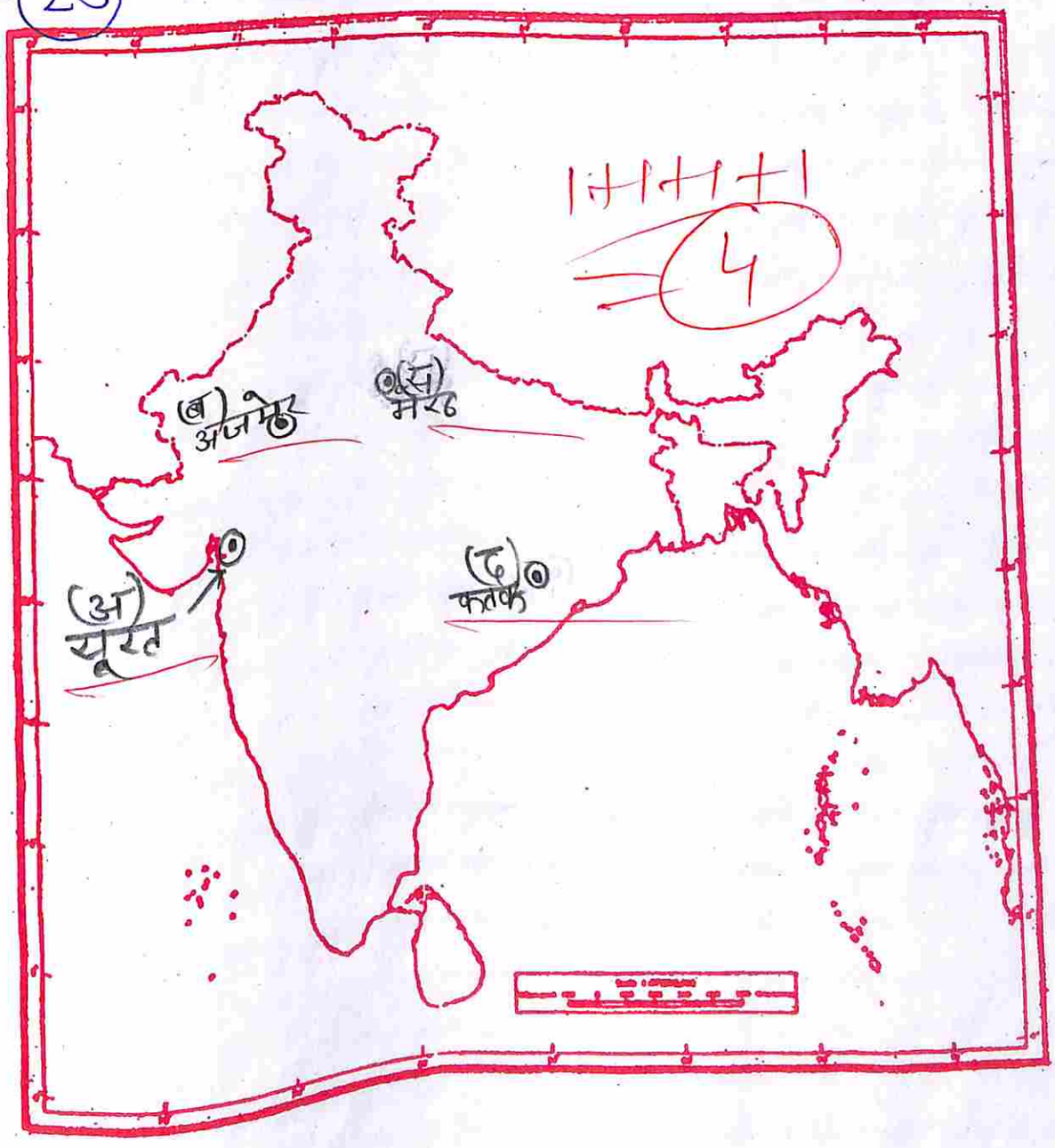

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

की नींव हिल गयी।

इस प्रकार नमक-सत्याग्रह ने देश में राष्ट्रीय-आंदोलन हेतु पृष्ठ-भूमि तय की तथा देशवासियों में स्वाधीनता का जोश भर दिया।

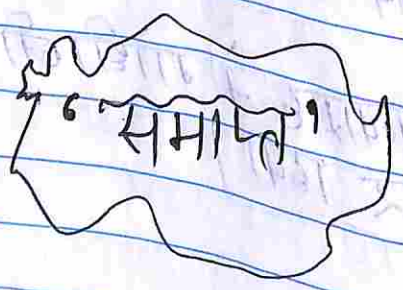

(23) * रेखा- मानचित्र में देखें।

'समाप्त'

BSER-1.68/2021

नामांक Roll No.

2	9	1	4	6	6	2

SS-13-Hist

इतिहास (HISTORY)

उच्च माध्यमिक परीक्षा, 2022

23

Outline Map of INDIA

1+1+1+1

4

(ब) अजमेर

(स) मेरठ

(अ) सूरत

(द) कटक

t.

CONFIDENTIAL

13-Hist.

क द्वारा त्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-168/2021

CONFIDENTIAL

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-168/2021

CONFIDENTIAL

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-168/2021

CONFIDENTIAL

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

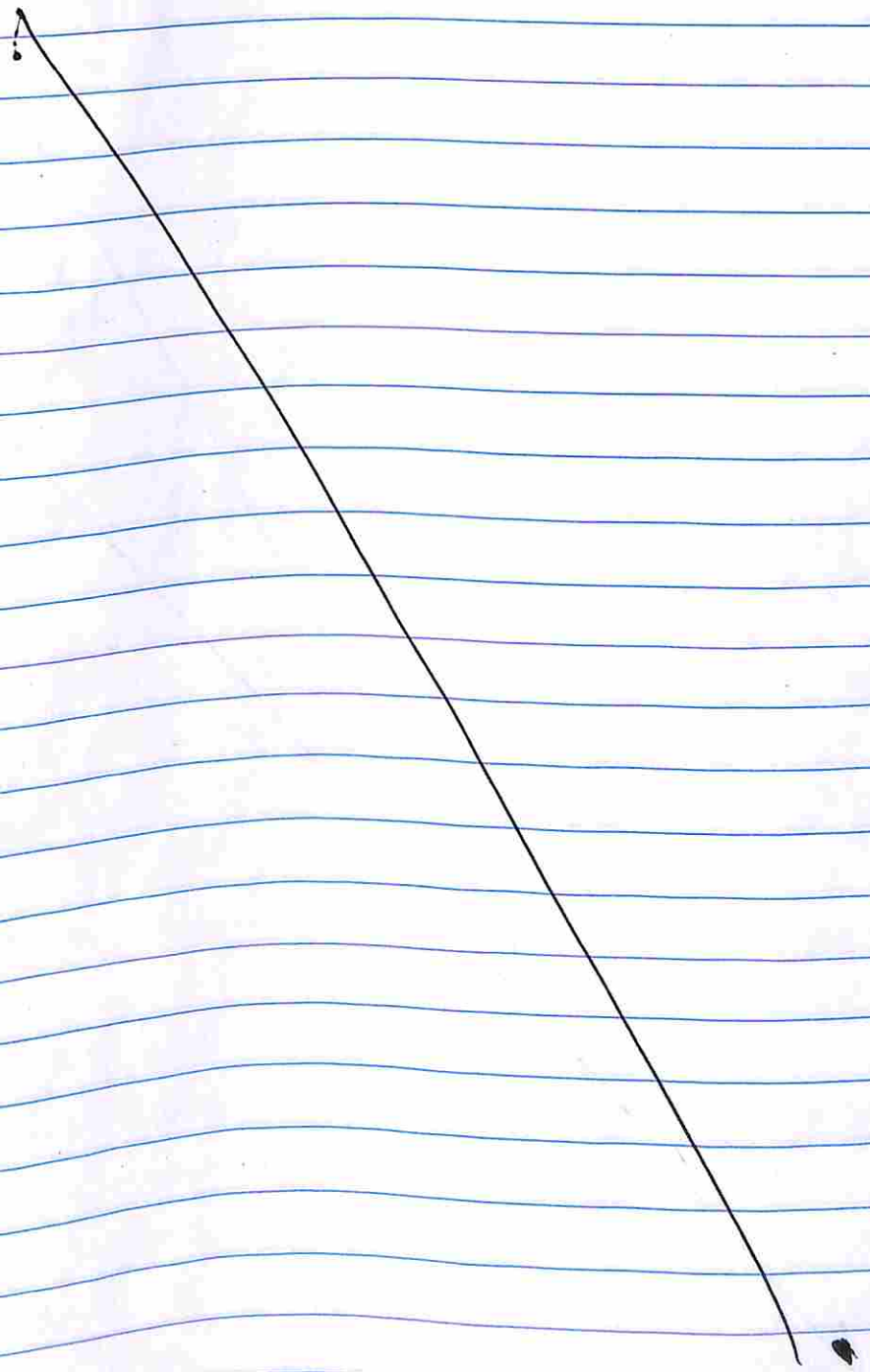

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-168/2021

CONFIDENTIAL

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

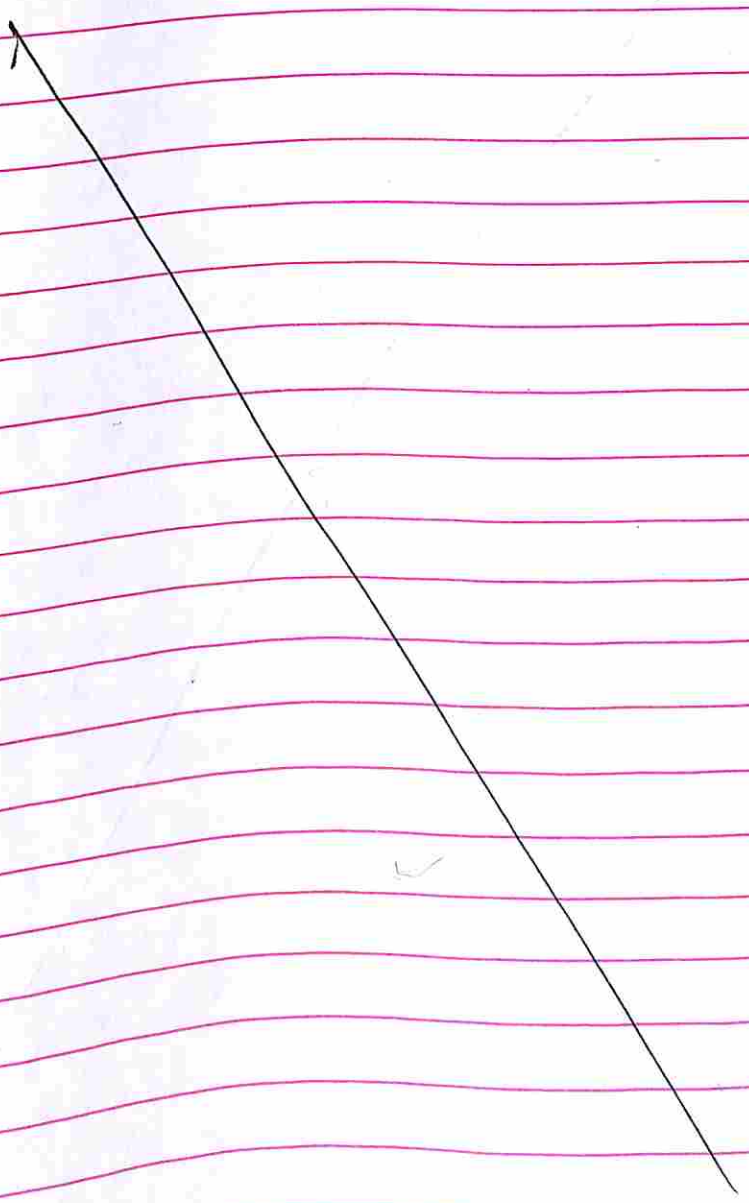

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-168/2021

80 37-41

11/5/22